Journal of Research and Development
A Multidisciplinary International Level Referred and Double Blind Peer Reviewed, Open Access
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-18, Issue-4(A)| April-2026

Original Article

बिलासपुर संभाग में जनसंख्या का स्थानिक वितरण

डॉ.आर. एन. यादव[1] अशुंल गौरहा[2]
[1]सहायक प्राध्यापक डी.पी.विप्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)
[2]शोध छात्र, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

Manuscript ID:
JRD -2026-180402
ISSN: 2230-9578
Volume 18
Issue 4(A)
Pp. 5-8
April- 2026
Submitted: 18 Mar. 2026
Revised: 28 Mar. 2026
Accepted: 12 Apr. 2026
Published: 30 April. 2026

Abstract :-

बिलासपुर संभाग में जनसंख्या का स्थानिक वितरण के अध्ययन से हम किसी भी क्षेत्र की जनांकिकी विशेषताओं से परिचित भी होते हैं, तथा मानव के विभिन्न भौतिक एवं आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं अन्य कारकों का आकंलन भी किया जाता है। इसके अतिरिक्त ग्रामीण व नगरीय जनसंख्या की असमानताएँ को स्पष्ट किया गया है। बिलासपुर संभाग छत्तीसगढ़ राज्य के ऊपर मध्यभाग में स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल 25809 वर्ग किलोमीटर एवं कुल जनसंख्या 6983960 व्यक्ति निवास करते हैं। प्रस्तुत अध्ययन द्वितीय आँकड़ों पर आधारित है, आवश्यकतानुसार मानचित्र का उपयोग किया गया है। इस अध्ययन को स्पष्ट करने के लिए संभाग की कुछ क्षेत्रफल, कुल जनसंख्या, ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या का तुलनात्मक विश्लेषण किया गया है।

प्रस्तावना **(Introduction) :-**

जनसंख्या वितरण का अर्थ पृथ्वी पर जनसंख्या के विक्षेपण से है। इसमें पृथ्वी पर मनुष्य के स्थितिजन्य प्रतिरुप का ज्ञान होता है अर्थात पृथ्वी के विभिन्न भागों में जनसंख्या किस प्रकार वितरित है, इसकी जानकारी जनसंख्या के स्थानिक वितरण के अध्ययन से ज्ञात होती है। जनसंख्या वितरण से हम किसी भी क्षेत्र की जनांकिकी विशेषताओं से परिचित भी होते है तथा मानव के विभिन्न भौतिक एवं आर्थिक, सामाजिक–सांस्कृतिक अर्तसंबंधों तथा क्षेत्रीय स्थानिक विभिन्नता का इसके संदर्भ में अध्ययन किया जाता है।

जनसंख्या के स्थानिक वितरण तथा संकेन्द्रण को प्रभावित करने वाले भौतिक तथा सांस्कृतिक कारकों के सापेक्ष महत्व पर भूगोलविदों में मतैक्य नहीं है। फिर भी कुछ विद्वान प्राकृतिक कारकों को प्रथम स्थान प्रदान करते हैं। जबकि क्लार्क जेलिस्की आदि वैज्ञानिको ने स्थानिक जनसंख्या के उत्तरदायी कारकों में साँस्कृतिक पक्ष का भी अधिक महत्व दिया है। इसके अतिरिक्त आर्थिक व्यवस्था, तकनीक विकास, सामाजिक संगठन तथा सरकारी नीतियाँ भी जनसंख्या वितरण को काफी हद तक प्रभावित करती है। संभाग की धरातलीय बनावट वहाँ की भूगर्भिक संरचना पर हुई विभिन्न आंतरिक एवं बाह्य हलचलों के प्रभावों का परिणाम है। जलवायु मानव के आवास कार्य एवं मनोवैज्ञानिक स्तर को भी बहुत अधिक प्रभावित करती है। यहाँ मिट्टियों के प्रकार में असमानता के आधार पर कन्हार, डोरतसा, मटासी, भाँठा, कछारी एवं पठारी–पहाड़ी पर बनी मिट्टयाँ प्रमुख है।

उद्देश्य **(Objective) :-**

(1) बिलासपुर संभाग की जनसंख्या का स्थानिक वितरण का परीक्षण करना।
(2) संभाग की जनसंख्या वितरण के कारको का अध्ययन करना।
(3) संभाग की ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या के वितरण का आकंलन करना।

अध्ययन क्षेत्र **(Study Area) :-**

बिलासपुर संभाग छत्तीसगढ़ राज्य के ऊपरी मध्य भाग में स्थित है। इस संभाग की भौगोलिक सीमा $21^0 22'$ उत्तरी अंक्षाश से $23^0 8'$ उत्तरी अंक्षाश तक तथा $81^0 14'$ पूर्वी देशान्तर से $83^0 49'$ पूर्वी देशांतर के मध्य है। इसका कुल क्षेत्रफल 25809 वर्ग किलोमीटर तथा कुल जनसंख्या 6983960 है। संभाग का अधिकांश भाग महानदी बेसिन के अंर्तगत आता है जहाँ का प्रमुख आर्थिक कार्य कृषि है। इसके अंतर्गत बिलासपुर, गौरेला, पेण्ड्रा एवं मरवाही, मुंगेली, जाँजगीर–चाँपा, कोरबा और रायगढ़ जिले आते हैं जिसमें से 53,86,437 जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में व 15,97,523 जनसंख्या नगरीय क्षेत्रों में निवास करती है।

आँकड़े एवं विधि तंत्र **(Data Base & Methodology) :-**

प्रस्तुत अध्ययन द्वितीयक आँकड़े भारत की जनगणना 2011 पर आधारित है, सरकारी और गैरसरकारी संगठनों से प्राप्त प्रकाशित अथवा अप्रकाशित आँकड़ों को भी आधार बनाया गया है। छत्तीसगढ राज्य के बिलासपुर संभाग के जिलेवार आँड़ों को इकाई मानकर अध्ययन किया गया है।

Creative Commons (CC BY-NC-SA 4.0)
This is an open access journal, and articles are distributed under the terms of the Creative Commons Attribution-NonCommercial-ShareAlike 4.0 International Public License, which allows others to remix, tweak, and build upon the work noncommercially, as long as appropriate credit is given and the new creations ae licensed under the idential terms.

Address for correspondence:
डॉ.आर. एन. यादव सहायक प्राध्यापक डी.पी.विप्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

How to cite this article:
आर. एन. यादव, & गौरहा, अशुंल. (2026). बिलासपुर संभाग में जनसंख्या का स्थानिक वितरण. Journal of research & development, 18(4(A)), 5–8. https://doi.org/10.5281/zenodo.20373469

Quick Response Code:
Website: https://jrdrvb.org/
DOI: 10.5281/zenodo.20373469
OPEN ACCESS

Journal of Research and Development
A Multidisciplinary International Level Referred and Double Blind Peer Reviewed, Open Access
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-18, Issue-4(A)| April-2026

अध्ययन को रोचक बनाने के लिए मानचित्र एवं छायांकन विधि द्वारा विश्लेषित करने का प्रयास किया गया है।

संभाग में जनसंख्या का स्थानिक वितरण **(2001 TO 2011) :-**

जनसंख्या का स्थानिक वितरण न सिर्फ मानव के किसी क्षेत्र विशेष में बसाव संबंधी अभिरूचि का घोतक होता है, अपितु क्षेत्र में कार्यरत् भौगोलिक, सामाजिक एवं आर्थिक कारको का संश्लेषण स्पष्ट प्रदर्शक भी होता है, अर्थात मानव के विस्तार या फैलाव के आधार पर रेखीय या प्रकीर्ण या जमघट या पुंज्जीभूत जनसंख्या वितरण प्रतिरूप से अध्ययन स्पष्टतः हो सकता है जिसे स्थानिक वितरण को समझना आसान होगा।

बिलासपुर संभाग में जनसंख्या का स्थानिक वितरण का आधार वहाँ का आकार, निश्चित अनतराल में जनसंख्या परिवर्तन, जनसंख्या की असमानता, जैसे तथ्यों को ध्यान में रखकर अध्ययन करने का एक प्रयास है। जनगणना 2011 के अनुसार राज्य की कुल जनसंख्या 2,55,45,198 है, जिसमें कुल ग्रामीण जनसंख्या 1,96,07,961 एवं नगरीय जनसंख्या 59,37237 निवास करती है जबकि बिलासपुर संभाग की कुल जनसंख्या 69,83,960 व्यक्ति है जिसमें 53,86,437 व्यक्ति ग्रामीण एवं 15,97,523 व्यक्ति नगरीय क्षेत्रों में रहती ह। अर्थात राज्य की कुल जनसंख्या का लगभग 27.33 प्रतिशत संभाग में निवासत है। जिसमें 50.55 प्रतिशत पुरूष एवं 49.45 प्रतिशत जनसंख्या महिला का है।

अध्ययन को रोचक बनाने के लिए बिलासपुर संभाग की कुल क्षेत्रफल का प्रतिशत, कुल जनसंख्या, कुल ग्रामीण व कुल नगरीय जनसंख्या, भारत की 2001 एवं 2011 की जनगणना पुस्तिका को आधार मानकर तुलनात्मक स्थानिक वितरण का अध्ययन किया गया है, जिसे निम्नांकि तालिका द्वारा स्पष्ट किया गया हैः–

तालिका क्रमांक – 1:1

बिलासपुर संभाग : कुल क्षेत्रफल एवं कुल जनसंख्या जिलों के आधार पर

क्रं.	जिले का नाम	कुल क्षेत्रफल %	कुल जनसंख्या का प्रतिशत	
		2011	2001	2011
1.	बिलासपुर	21.78	26.66	28.09
2.	गौरेला, पेण्ड्रा, मरवाही	00.00	–	–
3.	मुंगेली	10.29	09.07	10.05
4.	जँजगीर–चाम्पा	16.72	23.55	23.19
5.	कोरबा	26.75	18.09	17.28
6.	रायगढ़	24.45	22.63	21.39
	कुलः	100.00%	100.00%	100.00%

टीपः– बिलासपुर जिले के अर्न्तगत गौरेला, पेण्ड्रा, मरवाही जिले की क्षेत्रफल व जनसंख्या सम्मिलित है।

स्त्रोतः–जनगणना पुस्तिका 2011

बिलासपुर संभाग क्षेत्रफल की दृष्टि से राज्य का क्षेत्रफल का केवल 19.37 प्रतिशत है। जिसमें से सबसे बड़ा जिला कोरबा 26.75 प्रतिशत के अर्न्तगत है जबकि छोटा जिले के रूप में मुंगेली 10.29 प्रतिशत क्षेत्र आता है। कोरबा में भौगोलिक स्वरूप में विभिन्नताएँ देखने को मिलता है, इसके अतिरिक्त वनभूमि, कोयला, शक्ति संसाधन, बाल्को उद्योग बाहुल्य क्षेत्र है। जबकि मुंगेली में मैदानी भाग के साथ–साथ काली मिट्टी की प्रधानता वाले होने के कारण खरीफ व रबी फसलों की उत्पादकता की अधिकता है।

इसी तरह संभाग की 2001 जनगणनानुसार कुल जनसंख्या 55,93,15 व्यक्ति निवास करते हैं जिसमें से सर्वाधिक जनसंख्या बिलासपुर जिले में 26.66% निवास करती है, अर्थात राज्य की पुराने जिले एवं संभागीय प्रशासनिक कार्यालय, रेल्वे जोन, एस.ई.सी.एल. मुख्यालय व लघु व कुटीर उद्योग, व्यापार, परिवहन कार्य का विस्तार प्रमुख कारण है। जबकि 2011 की जनगणना में भी संभाग की कुल 69,83,960 व्यक्ति रहते है जिसमें बिलासपुर ही सबसे बड़े जिले 28.09% की श्रेणी में आता है। अतः उपरोक्त विशेषताओं का साथ न्यायधानी, शैक्षणिक गति विधियों के साथ स्मार्ट शहर, धार्मिक नगरी एवं औद्योगिक–व्यापारिक नगर की प्रधानता है।

राज्य की कुल जनसंख्यायें 27.33% संभाग में निवास करती है जिसे विभिन्न जिलों के आधार पर छायांकन विधि द्वारा स्पष्ट किया गया हैः–

(1) उच्च जनसंख्या के क्षेत्र (22% से अधिक)

जिन जिलों में संभाग की कुल जनसंख्या का 22% से अधिक व्यक्ति निवास करते है, वे उच्च जनसंख्या के क्षेत्र में सम्मिलित है इनमें दो जिले बिलासपुर 28.09% एवंज ँजगीर–चाम्पा 23.19 जिले आते हैं यहाँ बिलासपुर में प्रशासकीय कार्यालय, औद्योगिक, व्यवसायिक केन्द्र, एस.ई.सी.एल. व रेल्वे जोन जैसे मुख्यालय के साथ–साथ न्यायधानी की विशिष्टता के साथ नगरीकरण से उच्च जनसंख्या के क्षेत्र में आता है। इसके अतिरिक्त जाँजगीर–चाम्पा जिले में ग्रामीण जनसंख्या की प्रधानता के साथ–साथ प्रशासकीय गतिविधियाँ, कृषिकरण, धार्मिक नगरी, प्रकाश आयन, वर्धा पॉवर प्लांट के कारण रोजगार प्राप्त होने से जनसंख्या की अधिकतम है।

Journal of Research and Development
A Multidisciplinary International Level Referred and Double Blind Peer Reviewed, Open Access
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-18, Issue-4(A)| April-2026

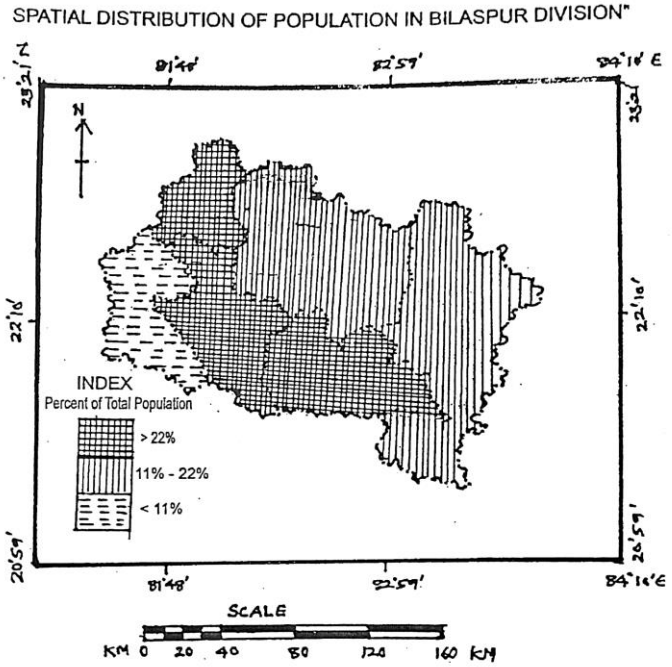

(2) मध्यम जनसंख्या के क्षेत्र (11% – 22%) –

इसके अर्न्तगत वे जिले आते है जहाँ जनसंख्या का मध्यम क्षेत्र (11% – 22%) है इसमें कोरबा 17.28% एवं रायगढ़ 21.39% जनसंख्या निवास करती है। यहाँ रायगढ़ जिले में कोयला खदानें, आयरन स्टील उद्योग, रेल्वे, परिवहन के साधन के साथ औद्योगीकरण, प्रशासनिक कार्यालय, जूट मिलें जैसे गतिविधियों के कारण रोजगार परक साधन सुलभ है। दसरे जिले के रूप कोरबा 17.28% जनसंख्या पाई जाती है जहाँ बाक्साइट खदानें, बाल्को प्लांट, कोयला उत्खन्न, औद्योगिक नगरी, पॉवर प्लांट, एन.टी.पी.सी., एस.ई.सी.एल. आदि के कारण लोगों को रोजगार के साधन की प्रधानता भी मध्यम जनसंख्या होने का एक कारण है।

(3) निम्न जनसंख्या के क्षेत्र (11% से कम) –

इसके अर्न्तगत केवल एक जिला मुंगेली है जहाँ की जनसंख्या सबसे कम 10.05% है। यह अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्र है, कृषि की प्रधानता मुख्य व्यवसाय है, यह नवीन जिला के रूप में स्थापित हुआ है, वर्तमान में विकास की ओर अग्रसर हो रहा है।

ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या का स्थानिक वितरण –

किसी भी क्षेत्र की जनसंख्या का स्थानिक वितरण के लिए वहाँ के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों की संरचना, अर्थव्यवस्था, विकास, घनत्व, प्रतिरूप, जीवन स्तर के साथ–साथ सामाजिक–आर्थिक कारको में असमानता देखने को मिलता है। यहाँ ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक संपर्क स्थानीय एवं कम विस्तृत होता है। इसके विपरीत नगरीय क्षेत्रों के लोगों में अधिक सम्पर्क क्षेत्र की प्रधानता रहा है।

भारत की जनगणना 2001 एवं 2011 के आधार पर संभाग की ग्रामीण व नगरीय जनसंख्या के स्थानिक वितरण के लिए तालिका क्रमांक 1:2 में निम्नानुसार है:–

तालिका क्रमांक – 1:2

बिलासपुर संभाग में ग्रामीण व नगरीय जनसंख्या का स्थानिक वितरण प्रतिशत में (2001–2011)

क्रं.	जिले का नाम	कुल ग्रामीण जनसंख्या का %			कुल नगरीय जनसंख्या का %		
		2001	2011	2011 आबाद ग्राम	2001	2011	2011 नगर/ शहर
1.	बिलासपुर	34.25	25.01	921	41.40	38.46	09
2.	गौरेला, पेण्ड्रा, मरवाही	–	–	–	–	–	–
3.	मुंगेली	–	11.81	688	–	04.10	04
4.	जाँजगीर–चाम्पा	26.46	29.90	906	12.50	14.09	15
5.	कोरबा	14.56	14.11	786	31.55	27.93	05
6.	रायगढ़	24.75	23.70	1442	14.55	15.42	10
	कुलः						

Journal of Research and Development
A Multidisciplinary International Level Referred and Double Blind Peer Reviewed, Open Access
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-18, Issue-4(A)| April-2026

टीपः— 2001 की ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या के प्रतिशत में मुंगेली एवं गौरेला, पेण्ड्रा, मरवाही जिले की जनसंख्या का प्रतिशत सम्मिलित है।
स्त्रोतः—भारत की जनगणना पुस्तिका 2011.

ग्रामीण व नगरीय जनसंख्या के बीच अन्तर स्पष्ट करना काफी कठिन कार्य है फिर भी जिन क्षेत्रों की जनसंख्या को अधिकारिक रूप से नगर के रू॰ में वर्गीकरण नहीं हुआ है, वे ग्रामीण क्षेत्र में सम्मिलित है। जहाँ मुख्य व्यवसाय कृषि व वनों की प्रधानता रहा है, अर्थात् प्राथमिक व्यवसाय की ओर कार्यरत् है।

बिलासपुर संभाग की कुल ग्रामीण जनसंख्या 2011 के अनुसार 53,86,437 व्यक्ति है अर्थात संभाग की कुल जनसंख्या का 78.39 प्रतिशत है जिसे 100 प्रतिशत मानकर संभाग के विभिन्न जिलों की विभिन्नता को स्पष्ट किया गया है इसमें 06 जिलें आते हैं इसके अन्तर्गत 4743 आबाद ग्राम है जिसमें सबसे अधिक रायगढ़ जिलें में 1442 ग्राम बिलासपुर—गौरेला पेण्ड्रा एवं मरवाही 927, जाँजगीर—चाम्पा 906, कोरबा 786 एवं सबसे कम गाँव मुंगेली जिले में 688 है। इस ग्रामीण परिवेश का खान—पान, रहन—सहन, भौगोलिक कारको के अतिरिक्त सामाजिक एवं आर्थिक कारको की विषमताएँ मिलती है।

अतः 2001 एवं 2011 की जनगणनानुसार जिलों में ग्रामीण जनसंख्या के प्रतिशत में असमानताएँ मिलती है जिसमें ज्यादा अन्तर नहीं है। यहाँ बिलासपुर जिलें में अधिकतम प्रतिशत का स्पष्ट करता हे, जबकि न्यूनतम में कोरबा जिले का स्थान है। जबकि मध्यम क्रम में जाँजगीर—चाम्पा एवं रायगढ़ जिले आते हैं। यहाँ विभिन्नताओं का कारण मुख्यतः कृषि कार्य, वनग्राम के साथ अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की बाहुल्यता भी एक कारण हो सकता है।

नगरीय जनसंख्या को परिभाषित रूप से समाज शास्त्रियों, अथशास्त्रियों, नगर नियोजको एवं भूगोलविदों द्वारा स्पष्ट करने का प्रयास किया गया है, अर्थात ग्रामीण जनसंख्या के प्राथमिक व्यवसाय को अन्य दूसरे व्यवसायों में परिवर्तन की एक प्रक्रिया है। इससे नगर के क्षेत्रफल, जनसंख्या वृद्धि दर, आर्थिक कारक, सामाजिक कारक एवं जनांकिकी कारक का विशिष्ट योगदान रहा है।

बिलासपुर संभाग की नगरीय जनसंख्या 2011 के अनुसार 15,97,523 व्यक्ति निवास करते हैं जो संभाग की कुल जनसंख्या का 21.61 प्रतिशत है। जिसे 100 प्रतिशत मानकर नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत वितरण स्पष्ट किया गया है। संभागीय जनसंख्याओं को 06 जिलों में रखा गया है। जिसमें सबसे बडा जिला बिलासपुर 2001 एवं 2011 की जनगणनानुसार है जबकि सबसे छोटा जिला के रूप मुंगेली 04.10 प्रतिशत जनसंख्या रहती है। जबकि मध्यम क्रम में कोरबा 27.93 प्रतिशत, रायगढ़ 15.42 प्रतिशत एवंज जाँजगीर—चाम्पा 14.09 प्रतिशतजिलों में नगरीय जनसंख्या पायी जाती है। ये सभी जिला मुख्यालय, प्रशासकीय कार्य, औद्योगीकरण, परिवहन के साधन एवं शैक्षणिक गतिविधियों से परिपूर्ण है जिससे नगरीय जनसंख्या की अधिकता है। जहाँ द्वितीयक एवं तृतीयक कार्यो की प्रमुखता है।

निष्कर्ष :—

बिलासपुर संभाग में जनसंख्या का स्थानिक वितरण का आधार, वहाँ का आकार, निश्चित अन्तराल में जनसंख्या परिवर्तन, जनसंख्या की असमानता जैसे तथ्यों से स्पट होता है कि राज्य की कुल जनसंख्या का लगभग 27.33 प्रतिशत संभाग में निवासित है, जिसमें 50.55 प्रतिशत पुरूष एवं 49.45 प्रतिशत जनसंख्या महिला रहती है। यह संभाग क्षेत्रफल की दृष्टि से राज्य का केवल 19.37 प्रतिशत है जिसमें सबसे बड़ा जिला कोरबा 26.75 प्रतिशत एवं सबसे छोटे जिले में मुंगेली 10.29 प्रतिशत का स्थान है। इसी तरह कुल जनसंख्या ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या में भी विभिन्नताएँ देखने को मिलता है, जिसका प्रमुख कारण भौगोलिक असमानता, कृषि प्रमुख व्यवसाय, खनिज संसाधन, औद्योगिकरण, प्रशासकीय कार्य, कृषि भूमि के साथ सिंचाई साधनों का विस्तार, धान संभाग की की सर्वप्रमुख फसल है अतः उपरोक्त तथ्यों को पर्यावरणीय संविकास के आधार पर अग्रसर करने की आवश्यकता है। जिससे स्थानिक वितरण की असमानताओं को कम किया जा सकेगा।

संदर्थ सूचीः—

(1) चांदना, आर.सी. (1987) — जनसंख्या भूगोल, कल्याणी पब्लिकेशन, लुधियाना.
(2) चौहान, आलोक एवं सिंह जगदीश — SPATAL DISTRIUBUTION OF POPULATION IN HANUMANGARH DISTRIC (RAJASTHAN)
(3) हीरालाल (1986) — जनसंख्या भूगोल, वसुन्धरा प्रकाशन, गोरखपुर.
(4) पण्डा, बी.पी. (2007) — जनसंख्या भूगोल, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल.
(5) तिवारी, व्ही.के. (1998) — जनसंख्या भूगोल, हिमालया पब्लिशिंग हाऊस, मुंबई.
(6) यादव, आर.एन. — म.प्र. में नगरीय विकास का प्रतिरूप अप्रकाशित पी—एच.डी. थिसीस 2003.
(7) भारत की जनगणना(2011) — छत्तीसगढ़ श्रृंखला 23, जनसंख्या अनन्तिम आँकड़े का पेपर—2, इन्टरनेट द्वारा डाऊन लोड.